एक नजर में

स्टार प्लस के सैराब का आगाज

इंदौर . स्टार प्लस का बहुप्रतीक्षित रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा सैराब ने मंगलवार की शाम दर्शकों के बीच दस्तक देने जा रहा है . शो को लेकर जिस तरह की चर्चा और उत्साह देखने को मिल रहा है, उससे यह तो स्पष्ट है कि दर्शक इसकी मुख्य जोड़ी से जुड़ाव महसूस करने लगे हैं . मदिराक्षी मुंडले और रोहित चंदेल अभिनीत सैराब अपने पुराने दौर की रोमांटिक खूबसूरती, सुकून भरे संगीत और शानदार विजुअल्स की वजह से इन दिनों खूब चर्चा बटोर रहा है . यह शो एक मशहूर पॉप स्टार और एक साधारण युवती की अनोखी प्रेम कहानी को दर्शाता है, जिसने वर्षों तक समाज द्वारा बनाए गए नियमों और अपेक्षाओं के बीच अपनी जिंदगी बिताई है . शो का प्रोमो रिलीज़ होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर दर्शकों की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ सी आ गई है . दर्शक इसकी नई और ताज़गी भरी कहानी के साथ-साथ मुख्य कलाकारों की शानदार केमिस्ट्री की भी जमकर तारीफ कर रहे हैं . कई दर्शकों का मानना है कि सैराब उन्हें उन भावनात्मक और दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानियों की याद दिलाता है, जिनके लिए कभी स्टार प्लस जाना जाता था .

गोल्डन इम्पैक्ट अचीवर अवॉर्ड्स का आयोजन

इंदौर . समाजसेवियों को सम्मान देने वाली पहल गोल्डन इम्पैक्ट अचीवर अवॉर्ड्स अब सिर्फ एक सम्मान समारोह भर नहीं रह गई है, बल्कि समाज में बदलाव लाने वाले लोगों का एक खूबसूरत कारवाँ बनती जा रही है . इसी कड़ी में 2030 का भारत द्वारा आयोजित इस पहल के तहत एक विशेष वर्चुअल गेट-टुगेदर का आयोजन किया गया, जिसमें गोल्डन इम्पैक्ट अचीवर अवॉर्ड्स के पहले और दूसरे संस्करण के सभी विजेता एक साथ जुड़े . 2030 का भारत के फाउंडर डॉ . अतुल मलिकराम ने कहा अक्सर समाज के लिए सबसे अच्छा काम वही लोग करते हैं, जिनके बारे में दुनिया बहुत कम जानती है . गोल्डन इम्पैक्ट अचीवर अवॉर्ड्स ऐसे ही लोगों को सामने लाने की एक कोशिश है . यह वर्चुअल गेट-टुगेदर सिर्फ एक-दूसरे से जुड़ने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि उन लोगों को भी समाजसेवा की धारा से जोड़ने का एक मंच है, जो चाहते हैं कि वे भी अपनी दिनचर्या से बचने वाले समय को समाजसेवा करके विशेष बनाएँ, क्योंकि जब ऐसे लोग एक-दूसरे की कहानियाँ सुनते हैं, तो बदलाव की ताकत और बढ़ जाती है .

नॉर्मल हेल्थ रिपोर्ट्स का मतलब हमेशा नॉर्मल फर्टिलिटी नहीं होता

इंदौर . जब नियमित हेल्थ चेक-अप की रिपोर्ट्स सामान्य आती हैं, तो कई दंपति यह मान लेते हैं कि फर्टिलिटी से जुड़ी कोई समस्या नहीं होगी . ब्लड शुगर, थायरॉयड, हीमोग्लोबिन, विटामिन लेवल या बेसिक हार्मोन रिपोर्ट्स सामान्य होना अच्छी बात है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता कि फर्टिलिटी से जुड़े सभी पहलू भी सामान्य हैं . डॉ . पायल जैसवाल, फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, इंदौर का कहना है कि सामान्य हेल्थ चेक-अप और फर्टिलिटी मूल्यांकन एक जैसे नहीं होते . सामान्य जांचों का उद्देश्य शरीर की बुनियादी स्वास्थ्य स्थिति समझना होता है, जबकि फर्टिलिटी जांच में अंडाणुओं की संख्या और गुणवत्ता, ओव्यूलेशन, फैलोपियन ट्यूब्स, गर्भाशय की स्थिति और पुरुषों में शुक्राणुओं की संख्या, गति और गुणवत्ता जैसे पहलुओं का आकलन किया जाता है . कई बार देरी इसलिए होती है क्योंकि दंपति सभी रिपोर्ट्स नॉर्मल हैं कहकर कोशिश जारी रखते हैं, जबकि असल में फर्टिलिटी से जुड़ी जरूरी जांचें अभी हुई ही नहीं होतीं। यही कारण है कि सामान्य रिपोर्ट्स होने के बावजूद गर्भधारण में देरी बनी रह सकती है .

मीशो ने बीएसई के साथ प्रोजेक्ट शिखर शुरू किया

इंदौर . विनिमय करने वाले सालाना यूज़र्स और ऑर्डर के मामले में भारत के सबसे बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, मीशो ने बीएसई के साथ साझेदारी में प्रोजेक्ट शिखर शुरू किया है . इसका उद्देश्य एमएसएमई को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सार्वजनिक सूचीबद्ध संस्था बनने में मदद करना है, ताकि वो अपने विकास के लिए पूंजी प्राप्त कर सकें . इस साझेदारी को औपचारिक रूप देने के लिए मिस लोपामुद्रा राव, वाईस प्रेसिडेंड एवं जनरल काउंसेल, मीशो और सुंदरम राममूर्ति, एमडी एवं सीईओ, बीएसई की मौजूदगी में एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए . यह जमीनी स्तर पर काम करने वाले डिजिटल व्यवसायों को संस्थागत पूंजी प्राप्त करने में समर्थ बनाने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है . सुंदरम राममूर्ति ने कहा बीएसई में हमने एसएमई प्लेटफॉर्म इसलिए शुरू किया है, ताकि भारत के सबसे डायनामिक और रोजगार देने वाले व्यवसायों को विकास के लिए पूंजी प्राप्त हो सके . लोपामुद्रा राव ने कहा एक सफल ई-कॉमर्स ब्रांड से निवेश के लिए तैयार संस्था बनना कठिन होता है . लेकिन प्रोजेक्ट शिखर ने इस बाधा को दूर कर दिया है .

फिजिक्सवाला ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन का उत्सव मनाया

इंदौर . शिक्षा कंपनी फ़िज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने जेईई एडवांस्ड 2026 में अपने विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाया . इंदौर से फ़िज़िक्सवाला के उच्च प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में पाणिकर्णा चौबे (एआईआर3010) और लक्ष्य कौशल (एआईआर3403) सहित कई अन्य छात्र शामिल रहे . अलख पांडे, शिक्षक, संस्थापक एवं ष्टश्वह, फ़िज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने कहा मैं उन सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर जेईई एडवांस्ड 2026 परीक्षा में सफलता प्राप्त की है . जिन विद्यार्थियों को आज अपने मनचाहे परिणाम नहीं मिले हैं, उनसे मैं कहना चाहूँगा कि यह एक परीक्षा आपकी क्षमताओं या आपके भविष्य की सफलता को निर्धारित नहीं करती . सीखने की प्रक्रिया जीवनभर चलती है, और यह उसका केवल एक पड़ाव है . इसलिए आत्मविश्वास बनाए रखें, निरंतर प्रयास करते रहें और आगे आने वाले अवसरों के लिए तैयार रहें .

रॉयल एनफील्ड ने की हिमालयन बेस कैंप-की घोषणा

इंदौर . रॉयल एनफील्ड ने पहले हिमालयन बेस कैंप, लद्दाख एडिशन के आयोजन की घोषणा की है . यह फेस्टिवल के पारंपरिक फॉर्मेस से अलग एक ईवेंट है, जिसमें राईडर्स, खोजकर्ता, पर्वातारोही, ओवरलैंडर्स और वो लोग एकत्रित होंगे, जिनके लिए एडवेंचर केवल वीकेंड की गतिविधि नहीं, बल्कि पूरी दुनिया घूमने का तरीका है . हिमालयन बेस कैंप में तीन दिनों तक एडवेंचरप्रेमियों का सबसे विशाल समूह देखने को मिलेगा . रॉयल एनफील्ड के चीफ ब्रांड ऑफिसर मोहित धर जयाल ने कहा हिमालयन बेस कैंप सभी एडवेंचरप्रेमियों को साथ लेकर आता है, फिर चाहे वो अपनी शक्तिशाली मशीन के साथ यहाँ पहुँचें, इच्छा शक्ति से पहुँचें या पैदल चलकर . इस प्रोग्राम में एक्शन है, इंस्ट्रक्शन है और कई तरह के साहसिक अनुभव हैं, जो एडवेंचरप्रेमियों को अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकालते हैं और उन्हें बिल्कुल नए कौशल और अनुभव प्रदान करते हैं . हिमालयन बेस कैंप लद्दाख एडिशन एक शानदार जश्न के लिए सभी को आमंत्रित करता है . चाहे आप बोल्डर पर 10 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से धीरे-धीरे आगे बढ़ें या घाटी में 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उड़ें . यहाँ पर हर एडवेंचरप्रेमी को एक्शन मिलेगा . इसके रजिस्ट्रेशन 1 मई से चल रहे हैं .

बालू फोर्ज ने हासिल किया तोप के गोलों का बड़ा ऑर्डर

इंदौर . प्रिसिजन इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की अग्रणी कंपनी, बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने लार्ज-कैलिबर एम्युनिशन सेगमेंट में बहुत बड़ा ऑर्डर मिलने की घोषणा की है . कंपनी ने भारत की एक प्रमुख विस्फोटक और गोला-बारूद बनाने वाली कंपनी को 152 एमएम तोप के गोलों (आर्टिलरी शेल्स) की 30,000 यूनिट्स सप्लाई करने का शुरुआती अनुबंध हासिल किया है . यह साझेदारी घरेलू रक्षा क्षेत्र में बालू फोर्ज के विस्तार की दिशा में एक अहम मील का पत्थर है . इस अहम ऑर्डर की आपूर्ति जून 2026 से शुरू होने वाली है . यह शुरुआती अनुबंध एक मजबूत और लंबी अवधि की साझेदारी की बुनियाद है . आने वाले समय में ऑर्डर का आकार अतिरिक्त वेरियंट्स के साथ बढ़कर एक लाख से अधिक गोलों (शेल्स) तक पहुंचने का अनुमान है . इस अहम डेवलपमेंट को लेकर बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज लिमिटेड की मैनेजमेंट टीम ने कहा यह अहम ऑर्डर हमारे रक्षा विनिर्माण के सफर में एक बड़े बदलाव को दर्शाता है . देश के एक प्रमुख साझेदार से 152 एमएम के लार्ज-कैलिबर एम्युनिशन का हासिल करना वैश्विक स्तर के प्रिसिजन इंजीनियरिंग सॉल्यूशन डिलीवर करने की हमारी क्षमता को दिखाता है .

मेडिकैप्स यूनिवर्सिटी हर सपने को देती है उड़ान

इंदौर . जब भी छात्र और अभिभावक युनिवर्सिटी का चुनाव करते हैं, तब अक्सर वे कुछ ही पहलुओं पर विचार करके फैसला ले लेते हैं जैसे सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस और एमबीए . अधिकतर लोगों को ये जाने-पहचाने कोर्स ज्यादा सुरक्षित, ज्यादा स्पष्ट और ज्यादा निश्चित महसूस होते हैं . लेकिन आज की दुनिया सिर्फ़ सॉफ्टवेयर के दम पर नहीं चल सकती। इसमें इन्फ्रास्ट्रक्चर, साक्ष्यों, खाद्यऔर न्याय जैसे पहलुओं का भी महत्वपूर्ण योगदान है और इन्हीं बुनियादी सिद्धान्तों पर आधारित इंदौर की मेडिकैप्स युनिवर्सिटी, छात्रों के लिए कुछ खास एकेडमिक प्रोग्राम लेकर आती है . इसमें सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में बी .टेक कोर प्रोग्राम शामिल है . बी .एससी . फोरेंसिक साइंस प्रोग्राम छात्रों को एक विज्ञान-आधारित व्यवस्थित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है . बी .एससी एग्रीकल्चर प्रोग्राम तैयार किया गया है . जहां छात्रों को विशेष प्रयोगशालाओं, फील्ड-लर्निंग के माध्यम से व्यवहारिक शिक्षा पाने का अवसर मिलता है . मेडिकैप्स युनिवर्सिटी का लॉ प्रोग्राम ऐसे ग्रेजुएट्स तैयार करती है, जो सिर्फ किताबी ज्ञान के दायरे से बढ़कर प्रेक्टिस करें . मेडिकैप्स यूनिवर्सिटी शिक्षा के प्रति अपने दृष्टिकोण में एक बड़ा बदलाव ला रही है और यही सोच इन विषयों को एक दूसरे के साथ जोड़ती है .

इंदौर-उज्जैन 6 लेन सड़क पर पंथ पिपलई फ्लाई ओवर ब्रिज शुरू

623 करोड़ से सड़क चौड़ीकरण कार्य अंतिम चरण में

नव भारत न्यूज

इंदौर. आगामी सिंहस्थ 2028 को देखते हुए इंदौर-उज्जैन सड़क चौड़ीकरण कार्य चल रहा है. उक्त सड़क पर निर्बाध यातायात कर लिए 6 फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण भी किया जा रहा है. 6 फ्लाई ओवर ब्रिज में से पंथ पिपलई फ्लाई ओवर ब्रिज पर यातायात शुरू हो गया है. उक्त इंदौर-उज्जैन फोर लेन सड़क को छह लेन चौड़ी करने का काम चल रहा है.

इंदौर उज्जैन सड़क चौड़ीकरण का कार्य एमपीआरडीसी द्वारा किया जा रहा है. सड़क चौड़ीकरण कार्य उदयपुर की रवि इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी 623 करोड़ रुपए में दिया गया है. इसके तहत इंदौर-उज्जैन 4 लेन सड़क को 6 लेन चौड़ा किया जा रहा है. सड़क आगामी 2028 के सिंहस्थ को लेकर चौड़ीकरण के अतिरिक्त 6 फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण भी

चल रहा है. 6 फ्लाई ओवर ब्रिज में से एक पंथ पिपलई फ्लाई ओवर ब्रिज बनकर तैयार हो गया है और फ्लाई ओवर ब्रिज पर से यातायात शुरू हो गया है. फ्लाई ओवर के अतिरिक्त मुख्य सड़क का निर्माण कार्य 80 प्रतिशत पूरा होने के कगार पर है. यह बात अलग है कि सड़क के दोनों ओर सर्विस रोड नहीं बनाना, सड़क निर्माण की बड़ी चूक है. उक्त सड़क बनने के बाद इंदौर से अरविंदो हॉस्पिटल से महांकाल गेट उज्जैन तक 45 किलोमीटर लंबी यात्रा मात्र 30 मिनिट में पूरी हो जाएगी. 45 किलोमीटर लंबी सड़क के दोनों ओर 12.5 मीटर चौड़ाई बढ़ाई गई है. खास बात यह है कि उक्त सड़क निर्माण में सरकार को जमीन अधिग्रहण नही करना पड़ा है. इसका कारण यह है कि सिक्स लेन के दोनों तरफ पूर्ण सर्विस लेन नहीं बनाई जा रही है. शायद सरकार को सर्विस लेन बनाने के लिए जमीन अधिग्रहण करना पड़ता, इसलिए अधिकारियों ने बिना सर्विस लेन बनाए ही चौड़ीकरण करने का निर्णय लिया है.

शेष 5 का काम सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य

एमपीआरडीसी के कार्यपालन यंत्री गगन भाभर ने बताया कि छह में एक फ्लाई ओवर से यातायात शुरू हो गया है. शेष 5 फ्लाई ओवर ब्रिज का काम भी सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है. सड़क चौड़ीकरण कार्य का समय जनवरी 27 है. सड़क पर रोड सेफ्टी ,संकेतक और ग्रामीण क्षेत्रों में रेलिंग लगाने का कार्य शुरू हो गया है.

इंदौर उज्जैन सड़क की मुख्य विशेषता

- पंथ पिपलई फ्लाई ओवर ब्रिज से यातायात शुरू
- 45 किलोमीटर लंबी दूरी 30 मिनट में होगी पूरी
- 623 करोड़ रुपए से सड़क चौड़ीकरण का कार्य अंतिम चरण
- चौड़ीकरण के बाद सिंहस्थ में यातायात होगा आसान
- 6 फ्लाई ओवर ब्रिज में से धरमपुरी 1 ,सांवेर 3, पंथ पिपलई 1 और तपोभूमि 1 शामिल है.
- चार लेन सड़क को 6 लेन सड़क में बदला जा रहा

दूसरे दिन भी 81 किलोमीटर प्रति घंटे रफ्तार से चली आंधी

आंधी तूफान से जन जीवन अस्त-व्यस्त

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में आज मौसम ने दूसरे दिन भी आंधी तूफान से रूबरू करवाया। नो तपा के अंतिम दो दिनों में मौसम ने करवट बदली और गर्मी से राहत मिली, लेकिन शहर में आंधी तूफान ने आज भी तबाही मचाई. इस कारण आज भी कई जगहों पर पेड़ गिरने और बिजली गुल होने की जानकारी मिली है. इस कारण शहर में जन जीवन बुरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया.

शहर में रोहिणी के नो तपा में अंतिम आठवें और आज नवमें मौसम में अचानक करवट ली. शहर में आज भी कल की तरह आंधी तूफान का दबाव बना रहा और आज भी 81 किलोमीटर की रफ्तार से आंधी चली. आंधी के कारण सड़कों पर 15 से 25 ऊंचे धूल के गुबार उड़ते नजर आए. इसके बाद कई इलाकों में हल्की बारिश हुई और मौसम सुहावना हो गया और आमजन को गर्मी से राहत मिली, लेकिन आंधी तूफान से जन जीवन बुरी तरह से अस्त व्यस्त भी हो गया. यह बात और है कि कई इलाकों में आज भी करीब 100 स्थानों पर पेड़ उखड़ने या पेड़ों की टहनियां टूटने की जानकारी मिली है. दूसरी ओर कल की तरह आज भी अधिकांश इलाकों बिजली गुल होने से आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ा. साथ ही आंधी से यातायात के हाल शहर में कल जैसे ही उत्पन्न हो गए. जो जहां था वहीं रुक गया, खास कर दो पहिया वाहन चालक ज्यादा परेशान हुए, क्योंकि उनकी आंखों में धूल जाने से सामने कुछ नजर नहीं आ रहा था. इस कारण कई सड़कों पर जाम की स्थिति बन गई. बताया जा रहा है कि शहर के लगभग सभी इलाकों में आज भी बिजली डेढ़ से दो घंटे तक गुल रही और उमस और पसीने से लोग घर दफ्तरों में परेशान होते रहे.

सामान्य से 2 डिग्री कम रहा तापमान

वही, आज दिन का तापमान सामान्य से दो डिग्री कम रहा . आज तापमान 38 .2 डिग्री दर्ज हुआ, वही रात का तापमान भी सामान्य से 3 डिग्री कम 22 .1 डिग्री दर्ज हुआ है . तापमान के दृष्टि से देखे तो पिछले चार पांच दिनों से सूरज के तेवर में नरमी आई है और पारा सामान्य ही रहा है . रात की गर्मी से लोगों को राहत मिली है और पिछले तीन दिनों से रात में ठंडी हवाओं का दौर चल रहा है .

तेज आंधी से एयरपोर्ट पर उड़ान संचालन प्रभावित

दो विमान डायवर्ट, कई फ्लाइट्स हुई लेट

नवभारत न्यूज

इंदौर . शहर में सोमवार शाम चली तेज हवाओं और खराब मौसम का असर हवाई सेवाओं पर भी देखने को मिला . प्रतिकूल मौसम के कारण इंदौर आने वाली दो उड़ानों को निर्धारित समय पर लैंडिंग की अनुमति नहीं मिल सकी, जिसके चलते उन्हें अन्य शहरों की ओर डायवर्ट करना पड़ा . वहीं 9 से अधिक उड़ानें विलंबित रहीं, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा .

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, इंडिगो की बेंगलुरु-इंदौर उड़ान निर्धारित समय के अनुसार शाम 4 .25 बजे इंदौर पहुंचने वाली थी . विमान शाम 4 .52 बजे इंदौर के हवाई क्षेत्र में पहुंच गया, लेकिन तेज हवाओं और खराब मौसम के कारण सुरक्षित लैंडिंग संभव नहीं हो सकी . कुछ समय तक विमान ने आसमान में चक्कर लगाए, इसके बाद पायलट ने विमान को अहमदाबाद डायवर्ट करने का निर्णय लिया . इस उड़ान में 182 यात्री सवार थे . मौसम में सुधार होने के बाद विमान रात 7 .44 बजे अहमदाबाद से इंदौर पहुंचा और यात्रियों को लेकर रात 8 .15 बजे बेंगलुरु के लिए रवाना हुआ . इसी तरह इंडिगो की गोवा-इंदौर उड़ान, जो शाम 4 .35 बजे इंदौर पहुंचने वाली थी, निर्धारित समय के आसपास शहर के हवाई क्षेत्र में पहुंच गई थी . हालांकि मौसम अनुकूल न होने के कारण इस विमान को भी लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली और इसे वडोदरा भेज दिया गया . इस उड़ान में 189 यात्री सवार थे . बाद में विमान शाम 6 .41 बजे वडोदरा से इंदौर पहुंचा और शाम 7 .25 बजे अगली निर्धारित उड़ान के लिए रायपुर रवाना हुआ .

यात्रियों को करना पड़ा लंबा इंतजार

विमानों के डायवर्ट होने और कई उड़ानों के देरी से संचालित होने के कारण यात्रियों को लंबे इंतजार का सामना करना पड़ा . डायवर्ट की गई उड़ानों के यात्रियों को विमान के भीतर ही बैठाए रखा गया, जिससे उनकी असुविधा और बढ़ गई . एयरपोर्ट पर भी उड़ानों के समय में बदलाव के चलते यात्रियों के बीच भ्रम और परेशानी की स्थिति बनी रही .

आईटीआई इंदौर में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

इन्दौर. शासकीय संभागीय आईटीआई इंदौर में सत्र 2026 के लिये प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। जिसके अंतर्गत आईटीआई प्रवेश हेतु इच्छुक छात्र एवं छात्रायें निकटतम एमपी ऑनलाईन पर जाकर *https://dsd.mp.gov.in/* पोर्टल के माध्यम से आईटीआई में प्रवेश-2026 हेतु रजिस्ट्रेशन कर सकते है। आईटीआई प्रवेश-2026 हेतु रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 30 जून है. प्रवेश संबंधित अन्य किसी जानकारी के लिये शासकीय संभागीय आईटीआई नंदानगर में संपर्क किया जा सकता है.

एमपी बोर्ड के छात्रों को स्कूल छोड़ने का दबाव, चोइथराम स्कूल के खिलाफ शिकायत

छात्र पहुंचे कलेक्टर कार्यालय, चोइथराम स्कूल पर लगाए गंभीर आरोप

नवभारत न्यूज

इंदौर. चोइथराम स्कूल के दसवीं और बारहवीं कक्षा के कुछ छात्र मंगलवार को अपनी शिकायत लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे. छात्रों का आरोप है कि चोइथराम स्कूल पहले एमपी बोर्ड से संबद्ध था, लेकिन अब उसने सीबीएसई की मान्यता प्राप्त कर ली है.

छात्रों ने शिकायत में बताया कि स्कूल प्रबंधन उन पर दूसरे स्कूलों में प्रवेश लेने का दबाव बना रहा है. उनका कहना है कि स्कूल प्रशासन यह कह रहा है कि अब संस्थान पूरी तरह सीबीएसई पैटर्न पर संचालित होगा, इसलिए एमपी बोर्ड के छात्रों को अन्य स्कूलों में प्रवेश ले लेना चाहिए. इसके लिए स्कूल द्वारा दूसरे स्कूलों के विकल्प भी बताए जा रहे हैं. स्कूल ने एमपी बोर्ड के डायस (डीआईएसई) का उपयोग सीबीएसई मान्यता के लिए किया है, जिसके बाद अब यह डायस एमपी बोर्ड के लिए मान्य नहीं रहा. मामले में जिला शिक्षा अधिकारी शांत स्वामी ने बताया कि छात्रों की शिकायत प्राप्त हुई है. उन्होंने कहा कि चोइथराम स्कूल द्वारा इस संबंध में न तो अभिभावकों को कोई सूचना दी गई है और न ही जिला शिक्षा कार्यालय को इसकी जानकारी उपलब्ध कराई गई है. यदि स्कूल ने बोर्ड परिवर्तन किया है तो इसकी विधिवत जानकारी विभाग और अभिभावकों को देना आवश्यक है.

छात्रों के हित प्रभावित नहीं होने दिए जाएंगे

डीईओ ने कहा कि किसी भी स्थिति में छात्रों के हित प्रभावित नहीं होने दिए जाएंगे . उन्होंने निर्देश दिए हैं कि वर्तमान में अध्ययनरत छात्रों को उनकी शिक्षा जारी रखने के लिए उचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए . साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि स्कूल द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया और बोर्ड परिवर्तन से जुड़े सभी दस्तावेजों की जांच की जाएगी .

नियमानुसार कार्रवाई होगी-शांत स्वामी ने बताया कि यह भी देखा जाएगा कि स्कूल ने नियमों के तहत आवश्यक सूचनाएं दी थीं या नहीं . जांच के दौरान यदि किसी प्रकार की अनियमितता या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो दस्तावेजों के आधार पर चोइथराम स्कूल के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी . फिलहाल शिक्षा विभाग ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है .

इंदौर मंडी की आय में गिरावट, दो माह में 1 .33 करोड़ रुपए का नुकसान

नवभारत न्यूज

इंदौर. कृषि उपज मंडी समिति, इंदौर की आय में चालू वित्तीय वर्ष के शुरुआती दो महीनों में गिरावट दर्ज की गई है. अप्रैल-मई 2026 के दौरान समिति को 8.94 करोड़ रुपए का वास्तविक मंडी शुल्क प्राप्त हुआ, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह आय 10.27 करोड़ रुपए थी. इस प्रकार मंडी समिति की आय में करीब 1.33 करोड़ रुपए की कमी आई है.

हालांकि मई 2026 में मंडी शुल्क प्राप्ति 4.31 करोड़ रुपए रही, जो मई 2025 के 4.28 करोड़ रुपए से मामूली अधिक है, लेकिन संचयी आंकड़े मंडी की कमजोर वित्तीय स्थिति की ओर संकेत कर रहे हैं. समिति की आय पर आयातित तुअर (दलहन) पर दी गई छूट का बड़ा असर पड़ा है. अप्रैल-मई 2026 के दौरान इस मद में 1.57 करोड़ रुपए की छूट दी गई, जिससे मंडी शुल्क संग्रह प्रभावित हुआ. इसके अलावा गेहूं उपार्जन पर लगभग 1.61 करोड़ रुपए मंडी शुल्क अभी तक समिति को प्राप्त नहीं हुआ है, जिससे नकद आय और कम दिखाई दे रही है.

अपेक्षित राजस्व नहीं मिल रहा

वर्तमान स्थिति में मंडी समिति को अपेक्षित राजस्व प्राप्त नहीं हो पा रहा है और वास्तविक आय पिछले वर्ष की तुलना में पीछे चल रही है. समिति को अब शासन स्तर पर लंबित प्राप्य राशि मिलने और राजस्व स्त्रोतों में सुधार की उम्मीद है, लेकिन फिलहाल उपलब्ध आंकड़े आय में गिरावट और वित्तीय दबाव को दर्शाते हैं.

तंग बस्तियों के बच्चों को दे रहे कला का प्रशिक्षण

समाज सेवा प्रकोष्ठ का 5 दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर शुरू

इंदौर. समाज सेवा प्रकोष्ठ द्वारा मालवीय नगर स्थित शासकीय विधालय में 5दिवसीय व्यक्तिव विकास शिविर का आयोजन किया जा रहा है. शिविर में तंग बस्तियों के 148 बच्चे भाग ले रहे है.

शिविर संयोजक आलोक खरे ने बताया कि संस्था का यह139वां बाल शिविर है, जिसमें बच्चों को विभिन्न कलाओ के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है. पहले दिन योगगुरु डॉ. सुमन कोचर ने बच्चों को प्रार्थना, योग और कहानियों के द्वारा सदाचार और

नैतिकता की शिक्षा दी. आर्टिस्ट स्वाति द्रविड़ ने चित्रकला की बारीकिया सिखाई.

शिक्षाविद् रंजना नायक ने कहा कि शिक्षा एक ऐसा कौशल है, जिससे जीवन में बड़ी से बड़ी सफलताये पायी जा सकती है. अत: अध्ययन से हम जी नहीं चुराए. प्रवीण जोशी ने बताया कि बाल शिविर में रोजाना विभिन्न प्रकार की गतिविधियां की जा रही है. अतिथि स्वागत पुष्पा महाडिक ने किया। संचालन सुबोध भोंरासकर ने किया. लक्ष्मण पंवार ने आभार माना.

एक नजर में टेंडर की तैयारियां पूरी, अंडर ग्राउंड लाइन के बाद 31 किलोमीटर की रिंग हो जाएगी पूरी

मेट्रो अंडर ग्राउंड लाइन का टेंडर इस महीने जारी होने की संभावना

नव भारत न्यूज

इंदौर. मेट्रो रेल का अंडर ग्राउंड लाइन का टेंडर एमपी मेट्रो इस महीने जारी कर सकता है. टेंडर की तैयारियां हो चुकी है. इसके बाद मेट्रो येलो लाइन की करीब 31 किलोमीटर लंबी लाइन की रिंग पूरी हो जाएगी. टेंडर में दो स्टेशन का निर्माण भी शामिल है. यह बात अलग है कि एलिवेटेड लाइन की बजाय अंडर ग्राउंड लाइन में करीब 9 सौ करोड़ रुपए ज्यादा लागत वहन करना पड़ेगी, क्योंकि राज्य सरकार ने ही एलिवेटेड लाइन डालने का निर्णय बदला है. खास बाद यह है कि एयरपोर्ट से रीगल चौराहे तक अंडर ग्राउंड लाइन का काम चल रहा है.

इंदौर में खजराना से रीगल

चौराहे तक मेट्रो अंडर ग्राउंड लाइन का टेंडर इस महीने कभी भी जारी किया जा सकता है. इसको लेकर मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने तैयारी पूर्ण कर ली है. बताया जा रहा है कि करीब 5.5 किलोमीटर लंबी अंडर ग्राउंड लाइन के लिए 900 से 1000 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत मानकर टेंडर जारी किया जाएगा. निर्माण अवधि करीब तीन से लेकर 4 साल मानी जा रही है. सूत्रों के अनुसार खजराना से रीगल चौराहे के 5.5 किलोमीटर लंबे सफर में सिर्फ दो स्टेशन का प्रस्ताव किया गया है. इसमें पलासिया से रीगल के बीच कोई स्टेशन नहीं रखा गया है. यह अंडर ग्राउंड की सबसे कमजोर कड़ी है, क्योंकि एलिवेटेड लाइन में पलासिया से रीगल के बीच एक ओर स्टेशन प्रस्तावित था, जो टीआई मॉल के पहले बनाया जाना था. ध्यान रहे कि पहले मेट्रो की करीब 31 किलोमीटर लंबी लाइन में सिर्फ एयरपोर्ट से रीगल चौराहे तक ही अंडर ग्राउंड लाइन का प्रस्ताव था.

खजराना से रीगल चौराहे तक करीब 5.5 किलोमीटर एलिवेटेड लाइन का टेंडर हो चुका था, जो 430 करोड़ रुपए के आसपास था. एलिवेटेड का अलॉयमेंट बदला तो करीब 280 करोड़ रुपए कम होकर अंडर ग्राउंड लाइन का नया प्रस्ताव रखा गया. इसका कारण एमजी रोड के व्यापारियों का एलिवेटेड लाइन को लेकर विरोध था. व्यापारियों के विरोध के कारण मध्य प्रदेश सरकार को 9 सौ करोड़ रुपए की चपत लग गई.

चार साल लगेंगे निर्माण होने में

मेट्रो लेने के नियम है कि जिस लाइन को लेकर एक बार केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है और फिर उसके निर्माण में फेलबदल या एलिवेटेड को अंडर ग्राउंड लाइन में बदला जाता है. उस स्थिति में राज्य सरकार को अंतर की राशि भुगतान करना होती है, केंद्र सरकार के हिस्से के राशि नहीं बढ़ती है. माना जा रहा है कि इस महीने अंडर ग्राउंड लाइन के टेंडर जारी हो जाते है, तो वर्क ऑर्डर के तारीख से करीब साढ़े तीन से चार साल निर्माण होने में लगेंगे. इसके बाद इंदौर मेट्रो येलो लाइन के 31 किलोमीटर लंबी रिंग पूरी हो जाएगी. एयरपोर्ट से रीगल चौराहे तक 8 किलोमीटर लंबी लाइन का काम चल रहा है.

मेट्रो अंडर ग्राउंड टेंडर के मुख्य बिंदु

- करीब 5.5 किलोमीटर से ज्यादा लंबी अंडर ग्राउंड लाइन.
- प्रदेश सरकार द्वारा अतिरिक्त राशि का वहन.
- सिर्फ दो स्टेशन बंगाली चौराहा और पलासिया चौराहा.
- पहले एलिवेटेड लागत 430 करोड़ रुपए.
- अब अंडर ग्राउंड लाइन के लागत 900 से 1 हजार करोड़ रुपए.
- पलासिया से रीगल के बीच 2 किलोमीटर के दूरी में एक भी स्टेशन नहीं.